BE THE MATCH®

पारिभाषिक शब्दों की शब्दावली

ऐलील (ALLELE)

किसी विशिष्ट जीन के विभिन्न रूपों में से एक। जीन वे निर्देश हैं जो शरीर को बताते हैं कि शरीर के सुचारु रूप से काम करने के लिए आवश्यक सभी विभिन्न प्रोटीनों का निर्माण कैसे करना है। ऐलील रोगियों और दानकर्ताओं का मिलान करने के लिए प्रयुक्त HLA मार्करों का हिस्सा होते हैं।

ऐलोजेनीक प्रतिरोपण (ALLOGENEIC TRANSPLANT)

एक प्रकार का प्रतिरोपण जिसमें रोगी को रक्त बनाने वाली स्वस्थ कोशिकाएं प्राप्त होती हैं। स्वस्थ कोशिकाएं परिवार के सदस्य, असंबंधित दानकर्ता या नाभिरज्जु रक्त इकाई से ली जा सकती हैं।

एफेरेसिस (APHERESIS)

ऑटोलॉगस प्रतिरोपण (autologous transplant) से पहले आपके रक्तप्रवाह से रक्त बनाने वाली कोशिकाओं को एकत्र करने की प्रक्रिया। एफेरेसिस का उपयोग ऐलोजेनीक प्रतिरोपण (allogeneic transplant) के लिए प्रयुक्त किए जाने वाले स्वयंसेवी दानकर्ता की रक्त बनाने वाली कोशिकाओं को एकत्र करने के लिए भी किया जाता है।

ऑटोलॉगस प्रतिरोपण (AUTOLOGOUS TRANSPLANT)

एक प्रकार का प्रतिरोपण जिसमें रोगी की खुद की रक्त बनाने वाली कोशिकाएं एकत्र की जाती हैं, संग्रहीत की जाती हैं, और कीमोथेरेपी या रेडिएशन के बाद वापस दी जाती हैं।

रक्त बनाने वाली कोशिकाएं

वे कोशिकाएं जो लाल रक्त कोशिकाओं, श्वेत रक्त कोशिकाओं, या बिंबाणुओं (प्लेटलेट) में विकसित होती हैं। इन्हें रक्त की स्टेम कोशिकाएं भी कहा जाता है।

अस्थि मज्जा

हड्डियों के भीतर स्थित नर्म, स्पंजी ऊतक।

कोशिका स्रोत

वे 3 स्थान जहाँ रक्त बनाने वाली कोशिकाएं पाई जाती हैं:

- अस्थि मज्जा
- परिधिक रक्त (प्रवाहित होने वाला रक्त या रक्त-प्रवाह)
- नाभिरज्जु का रक्त

सेंट्रल वीनस कैथेटर (CENTRAL VENOUS CATHETER)

एक लंबी, पतली नली जिसे छाती या गर्दन की किसी बड़ी शिरा में डाला जाता है। इसका उपयोग दवाईयाँ, तरल पदार्थ, और रक्त देने के लिए किया जाता है। इसे सेंट्रल लाइन भी कहते हैं।

कीमोथेरेपी (CHEMOTHERAPY)

वे दवाईयाँ जो कैंसर की कोशिकाओं को नष्ट कर देती हैं या उन्हें बढ़ने से रोकती हैं।

नैदानिक परीक्षण (CLINICAL TRIAL)

इस बारे में जानकारी एकत्र करने का एक तरीका कि कोई विशेष उपचार, परीक्षण, या रोग के प्रति कार्यवाही कितनी अच्छी तरह से काम करती है और उसके क्या प्रतिकूल प्रभाव हो सकते हैं।

रज्जु का रक्त (CORD BLOOD)

शिशु के पैदा होने के बाद नाभिरज्जु और गर्भनाल से एकत्र किया गया रक्त।

रोग-मुक्त उत्तरजीविता [DISEASE-FREE SURVIVAL (DFS)]

उन रोगियों की संख्या जो उपचार के बाद रोग के किसी भी संकेत के बिना किसी खास समय पर जीवित रहते हैं।

दानकर्ता (DONOR)

कोई व्यक्ति जो स्वेच्छा से अपनी अस्थि मज्जा या परिधिक (प्रवाहित होने वाले) रक्त से रक्त बनाने वाली कोशिकाएं देता है। दानकर्ता परिवार का कोई सदस्य या कोई असंबंधित दानकर्ता हो सकता है।

एनग्राफ्टमेंट (ENGRAFTMENT)

जब रक्त-बनाने वाली कोशिकाएं बढ़ना शुरू हो जाती हैं और स्वस्थ रक्त कोशिकाएं बनाती हैं जो आपके रक्त में दिखाई देती हैं।

औपचारिक खोज (FORMAL SEARCH)

Be The Match Registry® की विस्तृत खोज। यह खोज दर्शाती है कि संभावी दानकर्ता या रज्जु का रक्त आपके लिए वास्तव में सर्वोत्तम मेल है या नहीं। यह खोज निःशुल्क नहीं है। आपका बीमा इन लागतों के लिए भुगतान कर सकता है या नहीं भी कर सकता है।

ग्राफ्ट की विफलता (GRAFT FAILURE)

तब होती है जब दान की गई नई कोशिकाएं आपके लिए जरूरी श्वेत रक्त कोशिकाओं, लाल रक्त कोशिकाओं, और बिंबाणुओं का निर्माण नहीं करती हैं।

ग्राफ्ट-बनाम-मेजबान रोग [GRAFT-VERSUS-HOST DISEASE (GVHD)]

ऐलोजेनीक प्रतिरोपण का आम प्रतिकूल प्रभाव। ऐसा आपकी अपनी कोशिकाओं (मेजबान) और आपके दानकर्ता की कोशिकाओं (ग्राफ्ट) के बीच अंतर होने के कारण होता है। आपकी नई प्रतिरक्षा प्रणाली, या दान की गई कोशिकाएं, आपकी कोशिकाओं को पराये के रूप में देखती हैं और उन पर हमला कर देती हैं।

- एक्यूट ग्राफ्ट-बनाम-मेजबान रोग (ACUTE GRAFT-VERSUS-HOST DISEASE)
  आम तौर पर प्रतिरोपण के बाद के पहले 100 दिनों के आस-पास होता है लेकिन बाद में भी हो सकता है। यह अधिकतर त्वचा, आमाशय, आंतों, और जिगर को प्रभावित करता है।
- क्रॉनिक ग्राफ्ट-बनाम-मेजबान रोग (CHRONIC GRAFT -VERSUS-HOST DISEASE)
  आम तौर पर प्रतिरोपण के 3-6 महीने बाद होता है, लेकिन संकेत उससे पहले या बाद में प्रकट हो सकते हैं। GVHD के लक्षण त्वचा, जोड़ों, मुँह, और अन्य अवयवों में दिखाई दे सकते हैं।

हैप्लोआइडेंटिकल प्रतिरोपण (HAPLOIDENTICAL TRANSPLANT)

एक प्रकार का प्रतिरोपण जिसमें आपका दानकर्ता आपके आधे HLA मार्करों से मेल खाने वाला परिवार का कोई सदस्य होता है। इसे आधा मेल खाने वाला या आंशिक रूप से मेल खाने वाला संबंधित प्रतिरोपण भी कहते हैं।

हार्वेस्ट (HARVEST)

ऑटोलॉगस प्रतिरोपण से पहले अस्थि मज्जा से रक्त बनाने वाली कोशिकाएं एकत्र करने का एक तरीका। यह तरीका ऐलोजेनीक प्रतिरोपण में उपयोग के लिए किसी स्वयंसेवी दानकर्ता की रक्त बनाने वाली कोशिकाओं को एकत्र करने में भी उपयोगी है। इसे अस्थि मज्जा हार्वेस्ट भी कहते हैं।

एचएलए (HLA - HUMAN LEUKOCYTE ANTIGEN)

आपके शरीर में अधिकतर कोशिकाओं पर पाया जाने वाला एक प्रोटीन, या मार्कर। आपका डॉक्टर प्रतिरोपण के लिए कतिपय HLA मार्करों की तलाश करता है। आपको अपने आधे मार्कर आपकी माँ से और आधे आपके पिता से प्राप्त होते हैं।

प्रतिरक्षा प्रणाली (IMMUNE SYSTEM)

आपके शरीर के वे भाग (रक्त कोशिकाएं और अवयव) जो संक्रमणों से लड़ते हैं।

सूचित सहमति (INFORMED CONSENT)

जब आपको किसी उपचार या नैदानिक परीक्षण के लिए सहमत होने से पहले संभावित जोखिमों और लाभों सहित जानकारी दी जाती है।

मज्जा या रज्जु रक्त प्रतिरोपण (MARROW OR CORD BLOOD TRANSPLANT)

अस्वस्थ अस्थि मज्जा को स्वस्थ अस्थि मज्जा से बदलने की प्रक्रिया इसे अस्थि मज्जा प्रतिरोपण, स्टेम कोशिका प्रतिरोपण, या BMT भी कहा जाता है।

परिधिक रक्त स्टेम कोशिकाएं (PERIPHERAL BLOOD STEM CELLS)

परिसंचारी रक्त (रक्तधारा) से रक्त-बनाने वाली कोशिकाएं।

बिंबाणु (PLATELETS)

रक्त के वे भाग जो रक्त के जमने में मदद करते हैं।

प्रारंभिक खोज (PRELIMINARY SEARCH)

Be The Match Registry की एक निःशुल्क खोज। यह खोज रजिस्ट्री में मौजूद वे संभावी दानकर्ता और रज्जु रक्त इकाईयाँ दर्शाती है जो आपके HLA मार्करों से मेल खा सकते हैं।

प्रारंभिक प्रक्रिया (PREPARATIVE REGIMEN)

आपके शरीर को नई रक्त बनाने वाली कोशिकाओं को प्राप्त करने के लिए तैयार करने की प्रक्रिया। इसे अनुकूलन पथ्य भी कहते हैं।

लाल रक्त कोशिकाएं (RED BLOOD CELLS)

वे रक्त कोशिकाएं जो सारे शरीर में ऑक्सीजन ले जाती हैं।

घटी हुई गहनता वाला प्रतिरोपण (REDUCED-INTENSITY TRANSPLANT)

वह प्रारंभिक पथ्य जिसमें कीमोथैरेपी की कम खुराकों का रेडिएशन के साथ या उसके बिना उपयोग किया जाता है।

श्वेत रक्त कोशिकाएं (WHITE BLOOD CELLS)

वे रक्त कोशिकाएं जो संक्रमणों से लड़ती हैं।

हर कदम पर, हम **मदद करने के लिए मौजूद हैं।**

सीखें: **BeTheMatch.org/patient**
ईमेल करें: **patientinfo@nmdp.org**
ऑर्डर करें: **BeTheMatch.org/request**
कॉल करें: **1 (888) 999-6743**

BE THE MATCH®

हर व्यक्ति की चिकित्सीय परिस्थिति, प्रतिरोपण अनुभव और स्वास्थ्यलाभ अद्वितीय होता है। आपको अपनी परिस्थिति के संबंध में हमेशा अपनी खुद की प्रतिरोपण टीम या फैमिली डॉक्टर से परामर्श करना चाहिए। इस जानकारी का उद्देश्य डॉक्टर के चिकित्सीय निर्णय या सलाह का स्थान लेना नहीं है, और उसे ऐसा नहीं करना चाहिए।